



एसआईआर के जरिए देश को बर्बाद नहीं होने देगा इंडिया गठबंधन : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि एसआईआर के जरिए देश को बर्बाद करने और लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिशों को इंडिया गठबंधन सफल नहीं होने देगा तथा इसके खिलाफ देशभर में मिलकर लड़ाई लड़ी जाएगी। खरगे ने शनिवार को यहां जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि एसआईआर के कारण पूरी चुनावी प्रक्रिया बर्बाद हो गई है।

भाजपा सरकार में लोकतंत्र को बर्बाद कर दिया गया है। यहां चुनाव अवैध हो रहे हैं और इन चुनावों जो भी प्रणाम आ रहे हैं वह सब अवैध हो रहा है उन्होंने कहा 'देश में ह्यअवैध चुनाव' हो रहे हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ह्यअवैध प्रधानमंत्री और अमित शाह

ह्यअवैध गृह मंत्री' हैं। सरकारों को भंग किया जाना चाहिए और चुनाव बैलेट पेपर से कराये जाने चाहिए।' उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में चल रही इस अवैध प्रक्रिया को देखते हुए ही इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाई गयी थी जिसमें 20 पार्टियों के नेताओं के साथ लीगल सेल के कपिल सिब्बल को भी बुलाया गया। बैठक में सभी ने माना कि एसआईआर गलत तरीके से हो रहा है और इससे गरीब, पिछड़े तथा खासकर अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों को भारी परेशानी हो रही है। खरगे ने वोट काटे जाने को गलत बताया और कहा कि एक-एक बूथ से यदि 500-500 लोगों के नाम भी हटा दिये जाते हैं तो इससे बहुत बड़ा फक पड़ता है। अब इन नामों को दोबारा जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।



उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस के लोग अपने-अपने लोगों के नाम रख रहे हैं जबकि गरीबों को नाम जुड़वाने में समय और पैसा खर्च करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया पर कब्जा करने के लिए प्रधानमंत्री देश के लोकतंत्र को बर्बाद करने वाला कानून लेकर आये हैं। इस

कानून को लाने से पहले उस समिति की संरचना बदल दी गयी थी जिसमें प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश चुनाव आयोग के गठन की प्रक्रिया में शामिल होते थे। मुख्य न्यायाधीश को हटाकर एक मंत्री को समिति में रखा गया और मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन की नई प्रक्रिया बनायी गयी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यदि मुख्य चुनाव आयुक्त ने गलती की है और उसकी गलती पकड़ी भी जाती है तो उसे दोषी नहीं माना जा सकता है। कानून में व्यवस्था है कि जब तक वह जीवित हैं, उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। उन्होंने

कहा कि इससे मनमानी हो रही है और दो अन्य चुनाव आयुक्तों के पत्र लिखने के बावजूद उनकी बात नहीं सुनी गयी। एक अखबार में यह मामला सामने आने के बाद कांग्रेस ने भी इसे उठाया और अब पूरे देश में आंदोलन हो रहा है। खरगे ने कहा कि देश में ईवीएम का गलत इस्तेमाल हो रहा है और इसलिए चुनाव बैलेट पेपर से होने चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए इंडिया गठबंधन का पहला आंदोलन शुक्रवार को दिल्ली में हुआ और अब सभी दल मिलकर छह अक्टूबर को एक बड़ा आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का काम लोगों को जागरूक करना है और यदि गलती हो रही है तो चुनाव बैलेट पेपर से वोट कराये जाने चाहिए।

राजस्थान में पंचायत चुनाव से पहले 14 आईपीएस और 15 आरएसएस अधिकारियों का तबादला

जयपुर, 03 अक्टूबर। राजस्थान सरकार ने शनिवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 14 अधिकारियों और राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएसएस) के 15 अधिकारियों का तबादला कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य के कार्मिक विभाग ने दो अलग-अलग आदेश जारी कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वहीं राजस्थान प्रशासनिक सेवा के 10 अन्य अधिकारियों को पद से हटाकर पदस्थापन की प्रतीक्षा (एपीओ) में रखा गया। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायत राज चुनाव की घोषणा से कुछ घंटे पहले यह आदेश जारी किया गया। तबादला आदेश के अनुसार, फलोदी, दौसा, सिरोंही और सीकर जिलों के पुलिस अधीक्षक भी बदले गए हैं। आदेश में बताया गया कि 2009 बैच के आईपीएस अधिकारी अजय सिंह को जयपुर पुलिस आयुक्तालय में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-



व्यवस्था) के पद पर तैनात किया गया है। आदेश के मुताबिक, 2009 बैच के आईपीएस रामेश्वर सिंह का तबादला जयपुर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के उप-महानिरीक्षक (डीआईजी) पद से जयपुर में ही अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) के पद पर किया गया है। आईपीएस विकास शर्मा का तबादला पुलिस मुख्यालय में उप-महानिरीक्षक (कार्मिक) पद से विशेष अभियान समूह (एसओजी) जयपुर के उप-महानिरीक्षक पद पर किया गया है। आदेश के अनुसार, बीकानेर में अतिरिक्त आयुक्त नरेंद्र पाल सिंह को

जैसलमेर में अतिरिक्त जिला कलेक्टर नियुक्त किया गया है। वहीं, अजमेर विकास प्राधिकरण के सचिव अनिल कुमार पूनिया का तबादला बांसवाड़ा स्थित गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पद पर किया गया है। आदेश के तहत कुल 15 आरएसएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। वहीं, पद से हटाकर पदस्थापन की प्रतीक्षा में रखे गए 10 आरएसएस अधिकारियों में झुंझनू के अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय कुमार आर्य और जैसलमेर के अतिरिक्त जिला कलेक्टर परसराम शामिल हैं।

IAF प्रमुख ने 5वीं पीढ़ी के जेट के लिए विदेशी विकल्पों का दिया संकेत, पाकिस्तान-चीन की साझेदारी पर भी जताई चिंता

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर। भारतीय वायु सेना प्रमुख मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शनिवार को कहा कि पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाने के लिए पाकिस्तान और चीन का सहयोग भारत के लिए चिंता का विषय है। अमर प्रीत सिंह ने कहा कि IAF फिलहाल इस खतरे का सामना कर सकती है, लेकिन भारत को जल्द ही पांचवी पीढ़ी के लड़ाकू विमान शामिल करने होंगे।

उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि यह चिंता की बात है, लेकिन क्या यह ऐसी स्थिति है जिससे निपटा नहीं जा सकता? मैं इससे सहमत नहीं हूं। हमारे पास क्षमताएं हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ एक प्लेटफॉर्म ही मायने रखता है। असल बात उस प्लेटफॉर्म को अपने सिस्टम में शामिल करना है। जैसे पाकिस्तान के पास दूसरे प्लेटफॉर्म थे, लेकिन जब हमने ऑपरेशन



सिंदूर चलाया तो वे ज्यादा इस्तेमाल नहीं कर पाए। इसलिए, जब हम अलग-अलग प्लेटफॉर्म खरीदते हैं और उन्हें शामिल करते हैं, तो हमें यह पक्का करना होगा कि उन्हें हमारे सिस्टम में ठीक से शामिल किया जाए। तो, हम फिलहाल इस खतरे का सामना कर सकते हैं, जब कर कि वे इसे अपने सिस्टम में अच्छी तरह से शामिल न कर लें।

भविष्य के लिए, हमें आगे की सोचनी होगी। हमें जल्द ही पांचवीं पीढ़ी का विमान लाना होगा। हमें

AMCA प्रोग्राम को आगे बढ़ाना होगा और अगर इसमें देरी होती है, तो हमें कुछ दूसरे फैसले लेने होंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना के पास अभी 42 की मंजूरी संख्या के मुकाबले 29 फाइटर स्क्वाड्रन हैं। उन्होंने कहा कि कमी को पूरा करने के लिए फोर्स को हर साल 36 से 40 लड़ाकू विमान शामिल करने की जरूरत है। अगर AMCA पांचवीं पीढ़ी के विमान या दूसरे प्रोग्राम में देरी होती है, तो हमें दूसरे फाइटर प्लेटफॉर्म पर विचार करना पड़ सकता है। पांचवीं पीढ़ी के किसी दूसरे लड़ाकू विमान की संभावना पर, सिंह ने कहा कि रूस ने भारत को अपने Su-57 जेट की पेशकश की है, लेकिन इस प्रस्ताव पर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।

♦50वें गोल्डन जुबली इंडिया कार्पेट एक्सपो में 223 से अधिक प्रदर्शक; BRICS देशों के 106 खरीदार भी पहुंचे, वैश्विक बाजार में भारतीय कालीन की नई उड़ान सुरेश गांधी

रविवार को हस्तनिर्मित कालीनों की आधी सदी पुरानी कारोबारी यात्रा एक नए पड़ाव पर पहुंचेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 50वें गोल्डन जुबली इंडिया कार्पेट एक्सपो का उद्घाटन करेंगे। कार्पेट एक्सपोर्ट प्रमोशन कार्डसिल की ओर से 04 से 07 अक्टूबर तक कार्पेट एक्सपो मार्ट में आयोजित होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में 65 देशों के 430 विदेशी खरीदार और 223 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा ले

रहे हैं। इनमें BRICS देशों के 106 खरीदार भी शामिल हैं। पांच दशक की यात्रा पूरी कर चुका इंडिया कार्पेट एक्सपो अब महज कालीनों की प्रदर्शनी नहीं रह गया है। यह भदोही के करघों, बुनकरों के हुनर और भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग को वैश्विक बाजार से जोड़ने वाला बड़ा कारोबारी मंच बन चुका है। इस बार दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से पहुंचे खरीदार भदोही में भारतीय कालीनों के डिजाइन, गुणवत्ता, बुनाई और बदलते बाजार की मांग को करीब से देखेंगे। परिषद के अनुसार करीब 196 विदेशी खरीदारों को आतिथ्य पैकेज दिया गया है। इनमें 168 पूर्ण आतिथ्य तथा 28 केवल होटल पैकेज वाले खरीदार शामिल हैं। इससे आयोजन के अंतरराष्ट्रीय कारोबारी स्वरूप का अंदाजा लगाया जा सकता है। गोल्डन जुबली संस्करण को भव्य बनाने के लिए एएडउ को प्रशासनिक



समिति सक्रिय है। समिति में अध्यक्ष केप्टन मुकेश कुमार गोम्बर, एकमाध्यक्ष उमेश गुला मुन्ना, उपाध्यक्ष असलम सहबूब के साथ अनिल कुमार सिंह, बोध राज मल्होत्रा, दीपक खन्ना, हर्षेन जफर हुसैनी, इमनियाज अहमद, कुलदीप राज वट्टन, पीयूष कुमार बरनवाल, महावीर प्रताप शर्मा, मेहराज यासीन जान, मोहम्मद वसीफ अंसारी, रवि पाटोदिया, रोहित गुला, संजय कुमार गुप्ता, शौकत खान, शेख आशिक अहमद तथा सूर्य मणि तिवारी

शामिल हैं। गोल्डन जुबली इंडिया कार्पेट एक्सपो ऐसे समय में हो रहा है, जब भदोही के करघों की आवाज को वैश्विक बाजार की नई जंकरतों से जोड़ने की चुनौती सामने है। चार दिन का यह आयोजन तय करेगा कि आधी सदी पुरानी यह व्यापारिक परंपरा आने वाले वर्षों में किन नए बाजारों, नए रिश्तों और नए डिजाइनों के साथ आगे बढ़ती है। एक्सपो में भारतीय कालीन उद्योग की पारंपरिक बुनाई के साथ आधुनिक डिजाइन और वैश्विक

बाजार की बदलती पसंद को सामने रखा जाएगा। भदोही के बुनकरों की पीढ़ियों पुरानी कला से लेकर समकालीन डिजाइन तक यहां भारतीय हस्तनिर्मित कालीन की पूरी तस्वीर दिखाई देगी। उद्योग के लिए इस आयोजन का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि विदेशी खरीदारों की सीधी मौजूदगी से निर्यातकों को बाजार की पसंद समझने और नए कारोबारी संबंध बनाने का अवसर मिलेगा। इसका असर उत्पादन शृंखला से जुड़े बुनकरों, डिजाइनरों धागा, रंगाई, धुलाई, फिनिशिंग, पैकिंग और परिवहन जैसे सहायक कारोबारों तक पहुंचने की उम्मीद है। एएडउ अध्यक्ष कैप्टन मुकेश कुमार गोम्बर के अनुसार प्रमुख आयातक देशों में टैरिफ संबंधी चुनौतियों के बीच परिषद सरकार के साथ संवाद कर रही है। प्रस्तावित भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते से जुड़े प्रयास भी इसी दिशा का हिस्सा हैं।

डर के साये में क्यों रहें महिलाएं, अन्याय करने वाले जवाबदेह ठहराए जाएं: प्रियंका गांधी



नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्दा ने महिला विरोधी अपराधों के विरोध में आवाज उठाने वाली लेडी श्रीराम कॉलेज (एलएसआर) और अन्य संस्थानों की छात्राओं की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं को डर के साये में क्यों रहना चाहिए और उनके साथ अन्याय करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "मुझे एलएसआर और अन्य कॉलेजों की उन सभी लड़कियों पर बहुत गर्व है, जो हर दिन महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा के विरोध में अपनी आवाज उठा रही हैं।" उन्होंने सवाल किया कि महिलाओं को डर के साये में क्यों रहना चाहिए और उन्हें अन्याय सहने के लिए क्यों कहा जाना चाहिए?

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि महिलाओं पर हमला करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यह सभी महिलाओं की लड़ाई है। हममें से हर एक को खड़ा होना चाहिए और अपनी मौजूदगी दर्ज करानी चाहिए।

अमित शाह ने गौपालक सम्मेलन को संबोधित किया, नवीन न्याय संहिताओं पर राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

भोपाल, 03 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहकार से समृद्धि के विजन और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता को ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि विकास, पशुपालकों की आय वृद्धि और महिला सशक्तीकरण का प्रभावी माध्यम बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज मध्य प्रदेश के भोपाल स्थित दशहरा मैदान में आयोजित गौपालक सम्मेलन को संबोधित किया और नवीन न्याय संहिताओं पर आयोजित राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला,

राज्य सरकार के अनेक मंत्री, सांसद, विधायक, सहकारिता क्षेत्र के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में पशुपालक और दुग्ध उत्पादक उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने नवीन न्याय संहिताओं पर आयोजित राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और इनके क्रियान्वयन से संबंधित



मध्य प्रदेश पुलिस की उपलब्धियों तथा विभिन्न प्रदर्शनी खंडों का अवलोकन किया। अपने संबोधन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने औपनिवेशिक काल की दंड-केंद्रित आपराधिक न्याय व्यवस्था से आगे बढ़कर नागरिकों को न्याय प्रदान करने वाली नई व्यवस्था की दिशा में ऐतिहासिक परिवर्तन किया है। उन्होंने कहा कि नए कानूनों का मूल उद्देश्य शासन की रक्षा के बजाय भारत के नागरिकों के सम्मान, संपत्ति

और शरीर की रक्षा करना है और इनका मूल मंत्र न्याय है, दंड नहीं। उन्होंने कहा कि पूर्ण क्रियान्वयन के बाद नई व्यवस्था के अंतर्गत एफआईआर दर्ज होने से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक की न्यायिक प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने का लक्ष्य रखा गया है। अमित शाह ने कहा कि नई आपराधिक न्याय प्रणाली में आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग किया गया है। इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, ऑनलाइन समन, ऑनलाइन सुनवाई, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और फॉरेंसिक साइंस से

जुड़े प्रावधानों सहित अनेक आधुनिक वैज्ञानिक व्यवस्थाओं को इसमें शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, गुमशुदा बच्चों, आतंकवाद और माँब लंचिंग जैसे अपराधों से निपटने के लिए भी नए कानूनों में विशेष प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इनके पूर्ण क्रियान्वयन के बाद भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली दुनिया की सबसे आधुनिक प्रणालियों में शामिल होगी। सहकारिता क्षेत्र का उल्लेख करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि देश में लंबे समय से स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय की मांग थी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अलग सहकारिता मंत्रालय की स्थापना कर सहकारिता क्षेत्र को नई ऊर्जा और गति दी। उन्होंने कहा कि इस मंत्रालय की स्थापना का सबसे बड़ा लाभ किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े लोगों तक पहुंच रहा है।

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
— Since 1992 —
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director

ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)

✓ 34+ Years of Academic Excellence

✓ Experienced & Dedicated Faculty

✓ Personal Attention

✓ Printed Notes & Regular Tests

✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams

Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055

Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gुरुkrupa Hotel,
Sion (West), Mumbai

Limited Seats / Small Batch Size

CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERAPY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, फ्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीवी नगर मुंबई-37

- * **Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre**
- * **बाहर से आये रोगी और उनके परिजनों के ठहरने कि व्यवस्था**
- * **वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध**
- * **DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें**
- * **NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना**
- * **चिकिस्ता उपकरणों को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध**
- * **एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध**
- * **पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर**
- * **मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक**
- * **विशेषज्ञ डॉक्टरों से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध**
- * **मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तियों, परिवारों और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध**

Multi Solutions

WHAT WE DO ?

COMPUTER & CCTV

- Laptop, Desktop, CCTV, Sales Service & Rental
- Networking
- Software Installation
- Data Recovery
- Antivirus

SMART AUTOMATION

- Automation
- Biometric
- Smart Home App Control
- All Type of Electric Work

Shop No.13, First Floor, Zahoor Nagar, Mustafa Market, Near Rehmani Hotel, Kherani Road, Sakinaka, Andheri (E), Mumbai - 400072.

Mithun Prajapati
+91 9220 555 717

एसआईआर: लोकतंत्र की शुचिता और विश्वास की कसौटी



-ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका मतदाता है और मतदाता की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पहचान उसका मताधिकार है। इसलिए मतदाता सूची केवल नामों का प्रशासनिक दस्तावेज नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। जिस व्यक्ति का नाम पात्र होते हुए मतदाता सूची में नहीं है, उसकी लोकतांत्रिक भागीदारी अधूरी रह जाती है और जिस व्यक्ति की मृत्यु

हो चुकी हो, जो स्थानांतरित हो गया हो अथवा जिसका नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज हो, उसका नाम सूची में बने रहना चुनाव की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करता है। इसी दृष्टि से मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है। लेकिन इसकी सफलता केवल गलत या अपात्र नाम हटाने से नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सुरक्षित रखने और छूटे हुए मतदाताओं को वापस जोड़ने से तय होगी। निर्वाचन आयोग ने 2026 में एसआईआर की प्रक्रिया को कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तक विस्तारित किया है। आयोग के कार्यक्रम में घर-घर जाकर सत्यापन, प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन, दावे और आपत्तियां लेने तथा अंतिम सूची प्रकाशित करने जैसी प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि 27 मई 2026 को सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में किए गए एसआईआर की वैधानिकता को बरकरार रखा और माना कि निर्वाचन आयोग को संचिधान के अनुच्छेद 324 तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत ऐसी प्रक्रिया संचालित करने का अधिकार है। न्यायालय ने यह भी माना कि प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की रक्षा से जुड़ा वैध उद्देश्य है।

एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने को लेकर स्वाभाविक रूप से राजनीतिक और सामाजिक महसूस पैदा हुई है। लेकिन बेवजह चुनाव आयोग एवं मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर विवाद खड़े किये जाने की स्थितियां विडम्वनापूर्ण हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार नौ राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों की संयुक्त मतदाता सूची में एसआईआर के बाद 10.2 प्रतिशत की कमी हुई और 66,88,636 मृत मतदाताओं के नाम हटाए गए। इसी प्रक्रिया में आपत्तियां और जांच के बाद 63.16 लाख नाम भी हटाए गए। इन आंकड़ों को केवल एक राजनीतिक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। इनमें एक ओर मृत, स्थानांतरित या दोहराए गए नामों को हटाने की प्रशासनिक आवश्यकता दिखाई देती है, तो दूसरी ओर इतनी बड़ी संख्या में नामों में परिवर्तन यह भी बताता है कि मतदाता सूची को नियमित रूप से अद्यतन करते रहना कितना आवश्यक है। यहीं से इस पूरी प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी सामने आती है। यदि किसी अपात्र व्यक्ति का नाम हटाना लोकतंत्र की शुचिता के लिए जरूरी है, तो किसी पात्र नागरिक का नाम गलती से हट जाना भी उतनी ही गंभीर समस्या है। मतदाता सूची को शुद्ध करने और मतदाता अधिकार को सुरक्षित रखने के बीच संतुलन ही एसआईआर की वास्तविक सफलता है। इस दृष्टि से निर्वाचन आयोग का हालिया विशेष अभियान महत्वपूर्ण है। 12 अक्टूबर 2026 को आयोग ने एसआईआर पूरी कर चुके राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में उन पात्र मतदाताओं की फिर् से सूची में शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया, जिनके नाम पुनरीक्षण के दौरान छूट गए हों। पहली बार मतदान करने वाले और नए पात्र युवा मतदाताओं के पंजीकरण पर भी जोर दिया गया है।

इस अभियान में बृथ स्तर के अधिकारियों को एसआईआर से पहले की मतदाता सूची और वर्तमान सूची का मिलान कर उन लोगों की पहचान करने को कहा गया है जिनके नाम पहले मौजूद थे लेकिन अंतिम सूची में नहीं हैं। इसके बाद घर-घर जाकर सत्यापन और पात्र पाए जाने पर मौके पर ही फॉर्म-6 प्राप्त करने की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक बृथ स्तर अधिकारी के लिए प्रति सप्ताह 20 से 25 मतदाताओं के सत्यापन और लगभग एक महीने में अभियान पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। राजनीतिक दलों के बृथ स्तर एजेंटों के साथ संबंधित सूचियां सझा करने का निर्देश भी पारदर्शिता की दृष्टि से उल्लेखनीय है। यही वह बिंदु है जहां मतदाता सूची के पुनरीक्षण को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे ले जाने की आवश्यकता है। विपक्षी दलों ने एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि इससे पात्र नागरिकों के मताधिकार पर असर पड़ सकता है। दूसरी ओर निर्वाचन आयोग का कहना है कि उसका उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना है। इन दोनों पक्षों के बीच अंतिम निष्कर्ष राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि पारदर्शी आंकड़ों, दस्तावेजी प्रमाण, आपत्ति और अपील की प्रभावी व्यवस्था तथा सफाई जांच से निकलना चाहिए। किसी राजनीतिक दल के आरोप को स्वतः सत्य मान लेना भी उचित नहीं है और किसी शिकायत को केवल राजनीतिक आरोप कहकर खारिज कर देना भी लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित नहीं होगा।

भारतीय लोकतंत्र में निर्वाचन आयोग की संवैधानिक भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखना उसी जिम्मेदारी का अनिवार्य हिस्सा है। आयोग के डिजिटल पोर्टल पर मतदाता अपना नाम खोज सकते हैं, अंतिम एसआईआर सूची देख सकते हैं, नया पंजीकरण करने के लिए फॉर्म-6 भर सकते हैं, आवेदन की स्थिति देख सकते हैं और शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं। यह व्यवस्था नागरिकों को केवल प्रशासन पर निर्भर रहने के बजाय स्वयं अपने मतदाता अधिकार की जांच करने का अवसर देती है। लेकिन केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है। भारत की सामाजिक और भौगोलिक विविधता को देखते हुए ऐसे नागरिक भी हैं जिनके पास डिजिटल साधनों की सीमित पहुंच है। गरीब, श्रमिक, प्रवासी, बेघर, वृद्ध, दिव्यांग और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक प्रशासन को स्वयं पहुंचना होगा। आयोग ने विशेष अभियान के अंतर्गत बृथ स्तर के शिविरों तथा रात के आश्रयस्थलों, श्रमिक बस्तियों, बेघर और अन्य वंचित समूहों के लिए विशेष शिविरों का निर्देश भी दिया है। यही दृष्टिकोण मतदाता सूची को केवल कागजी शुद्धता से आगे बढ़ाकर वास्तविक लोकतांत्रिक समावेशन से जोड़ता है। यह भी समझना होगा कि मतदाता सूची में सुधार कोई एक बार होने वाला अभियान नहीं हो सकता। शहरों में तेजी से बढ़ता प्रवास, गांवों से शहरों की ओर पलायन, विवाह के बाद निवास परिवर्तन, युवाओं का 18 वर्ष की आयु पूरी करना, मृत्यु और एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण लगातार होते रहते हैं। इसलिए आयोग स्वयं मतदाता पंजीकरण को सतत प्रक्रिया मानता है और पात्र नागरिकों के लिए फॉर्म-6 के माध्यम से पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराता है। वास्तविक चुनौती यह है कि पुनरीक्षण के दौरान हटे हुए प्रत्येक नाम के पीछे एक नागरिक हो सकता है। इसलिए हर हटाए गए नाम को संदेह की दृष्टि से देखना और हर शिकायत को गंभीरता से सुनना आवश्यक है। इसी तरह हर पुराने नाम को केवल इसलिए बनाए रखना भी उचित नहीं होगा कि वह पहले सूची में था। लोकतंत्र में मतदाता सूची का सिद्धांत स्पष्ट होना चाहिए-न पात्र व्यक्ति छूटे और न अपात्र व्यक्ति मतदान सम्मान में बना रहे।

लोकतंत्र की मजबूती का अर्थ केवल अधिक मतदान प्रतिशत नहीं है। उसका अर्थ यह भी है कि जो पात्र नागरिक मतदान करना चाहता है, उसे मतदाता सूची में स्थान मिले, जो व्यक्ति मतदान के योग्य नहीं है, उसका नाम नियमपूर्वक हटे, शिकायत करने वाले को सुनवाई मिले और अंतिम निर्णय पारदर्शी प्रक्रिया से हो। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा विचार एसआईआर की वैधानिकता को स्वीकार किए जाने का अर्थ भी यही है कि मतदाता सूची की शुद्धता का संवैधानिक महत्व है, साथ ही प्रक्रिया में निर्धारित सुरक्षा उपायों का पालन आवश्यक है। इसलिए आज आवश्यकता एसआईआर के पक्ष या विपक्ष में खड़े होने से अधिक महत्वपूर्ण एक प्रक्रिया को इतना पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने की है कि किसी पात्र नागरिक को अपने मताधिकार के लिए संघर्ष न करना पड़े। भारतीय लोकतंत्र की शक्ति चुनाव कराने में ही नहीं, बल्कि हर योग्य नागरिक को चुनाव में भाग लेने का समान अवसर देने में है। मतदाता सूची का शुद्धीकरण लोकतंत्र की सफाई है, लेकिन उस सफाई में कोई निर्दोष नागरिक बाहर न रह जाए, इसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी है। एसआईआर तभी अपने व्यापक उद्देश्य को पूरा करेगा जब शुद्धता और समावेश, दोनों साथ चलें।

उत्तर प्रदेश की बिसात: 'इंडिया' के भीतर समाजवादी पार्टी का 'समीकरण' और गहराता संकट



अशोक भाटिया

२०२४ के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के भीतर 'इंडिया' गठबंधन ने एक अप्रत्याशित और ऐतिहासिक सफलता दर्ज की थी। राष्ट्रीय स्तर पर सत्ताशुद्ध भाजपा को राज्य में करारी शिकस्त देकर समाजवादी पार्टी ३७ सीटों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभरी थी, जबकि कांग्रेस को भी ६ सीटें हासिल हुई थीं। चुनावी अंकगणित के इस चमत्कार ने विपक्षी कुनवे में नया उत्साह भरा था। लेकिन राजनीति का यह शाश्वत नियम है कि चुनावी विजय जितनी जल्दी पिछली असफलताओं को धुंधला करती है, उससे कहीं अधिक तेजी से भविष्य के अंतर्विरोधों को जन्म देती है। वर्तमान समय में, जब राज्य की गिनाहें २०२७ के आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की ओर मुड़ चुकी हैं, समाजवादी पार्टी के लिए इंडिया गठबंधन के भीतर रणनीतिक, संगठनात्मक और वैचारिक चुनौतियां नए सिरे से सिर उठाने लगी हैं। गठबंधन की इस नाव को उत्तर प्रदेश के जटिल राजनीतिक समंदर में आगे बढ़ाना अखिलेश यादव के लिए फूल नहीं, बल्कि कांटों की सेज साबित हो

रहा है।

गठबंधन की राजनीति में सीटों का बंटवारा हमेशा से सबसे संवेदनशील और टकराव पैदा करने वाला बिंदु रहा है। २०२४ की चुनावी सफलता के बाद, कांग्रेस पार्टी के हासिले बुलंद हैं और वह उत्तर प्रदेश में अपनी खाई हुई जमीन को वापस पाने के लिए आतुर है। कांग्रेस ने सार्वजनिक मंचों से यह स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश की ४०३ विधानसभा सीटों में से कम से कम १५० सीटों पर दावा ठोकना चाहती है। कांग्रेस का तर्क है कि राहुल गांधी की जनसभाओं, भारत जोड़ो यात्राओं और दलित-पिछड़ा वर्ग में उनके बढ़ते आकर्षण के कारण पार्टी का जिनाधार बढ़ा है।

इसके विपरीत, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और उनके रणनीतिकारों का मानना ​​है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के खिलाफ मुख्य लड़ाई समाजवादी पार्टी ही लड़ रही है। सपा सूत्रों के अनुसार, पार्टी २०२४ के लोकसभा चुनाव के विधानसभा वार आंकड़ों को आधार बना रही है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने जिन सीटों पर जीत दर्ज की या जहां वह दूसरे नंबर पर रही, उसके आधार पर सपा कांग्रेस को लगभग ५३ से ५५ सीटें देने का प्रस्ताव रख रही है। अखिलेश यादव ने पार्टी पदाधिकारियों की बैठक में स्वयं ३५० सीटों पर मुस्तेदी से तैयारी करने का निर्देश देकर कांग्रेस पर भरोसेवर्जानिक दबाव बना दिया है। सपा संसद एसपी सिंह पटेल का यह बयान कि 'कांग्रेस को १५० सीटें देना अपने पैर पर कुत्ताड़ी मारने जैसा है', दोनों दलों के बीच जमीनी स्तर पर मौजूद अविश्वास की दिशा को

स्पष्ट रूप से उजागर करता है। वाराणसी के शिक्षक और स्नातक खंड विधान परिषद चुनावों में कांग्रेस द्वारा सपा उम्मीदवारों के खिलाफ अपने प्रत्याशी उतार देना, इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि शीर्ष स्तर पर भले ही एकजुटता के दावे किए जा रहे हों, लेकिन धरातल पर दरारें साफ दिखाई दे रही हैं।

कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपनी सांगठनिक संरचना में बड़ा बदलाव करते हुए एक ब्राह्मण चेहरा (आराधना मिश्रा) को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है, जबकि इमरान मसूद के रूप में एक प्रभावी मुस्लिम चेहरा और राजेंद्र पाल गौतम के रूप में बड़े दलित चेहरे को कमान सौंपी है। कांग्रेस का



यह नया 'कॉकटेल' सपा के मूल वोट बैंक-विशेषकर अल्पसंख्यकों और दलितों-को अपनी ओर आकर्षित करने का प्रयास है। यदि मुस्लिम और दलित मतदाता समाजवादी पार्टी के बजाय सीधे राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के पाले में जाने लगे, तो सपा की क्षेत्रीय प्रधानता कमजोर होगी। राहुल गांधी द्वारा युवाओं, बेरोजगारों और वंचितों के मुहों को लगातार उठाए जाने से सपा के लिए यह संकट पैदा हो गया है कि वह उत्तर प्रदेश में विपक्षी राजनीति की 'अगुआ' बनी रहे या कांग्रेस के राष्ट्रीय नैरेटिव के पीछे चलने को मजबूर हो।

गठबंधन सरकारों या चुनावी समझौतों का सबसे बड़ा दोष यह होता है कि इसके कारण जमीनी स्तर पर

कार्यकताओं का मनोबल टूटता है। जब समाजवादी पार्टी किसी सीट को गठबंधन के तहत कांग्रेस के लिए छोड़ती है, तो उस क्षेत्र में सालों से पसीना बहा रहे सपा के स्थानीय नेता और कार्यकर्ताओं का राजनीतिक भविष्य दांव पर लग जाता है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में सपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता दशकों से एक-दूसरे के खिलाफ चुनावी जंग लड़ते आए हैं। ऐसे में, अचानक उन्हें एक-दूसरे के लिए वोट मांगने के लिए राजी करना बेहद जटिल कार्य है।

यदि कार्यकर्ताओं में यह संदेश गया कि पार्टी नेतृत्व उनकी अनदेखी कर रहा है, तो सांगठनिक स्थिरता आने का खतरा बढ़ जाता है। २०२४ के चुनाव में 'संविधान बचावे' का एक बड़ा भाव था, जिसने दोनों दलों के कार्यकर्ताओं को एक मंच पर ला दिया था? लेकिन विधानसभा चुनाव स्थानीय मुद्दों, विधायक की उपलब्धता और व्यक्तिगत समीकरणों पर लड़े जाते हैं। ऐसे में, क्या सपा का समर्पित केंद्र उन सीटों पर पूरी ताकत लगाएगा जो कांग्रेस के कूट में जाएंगी? यह सवाल अखिलेश यादव को लगातार परेशान कर रहा है। भारतीय राजनीति का इतिहास गवाह है कि गठबंधन केवल कागजों पर या नेताओं के हाथ मिलाने से सफल नहीं होते। २०१७ के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी 'यूपी के लड़कों' (अखिलेश और राहुल) ने हाथ मिलाया था, लेकिन परिणाम बेहद निराशाजनक रहे थे, क्योंकि सपा का वोट बैंक कांग्रेस उम्मीदवारों को तो टूटकर हो गया, लेकिन कांग्रेस का पारंपरिक वोट बैंक सपा के पाले में नहीं आ पाया था। २०२७ के चुनाव में भी यह खतरा बरकरार है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी भले ही वर्तमान में हाशिए पर दिखाई दे रही हो, लेकिन ग्रायावती का साइलेंट दलित वोट बैंक अभी भी किसी भी बड़े उल्टफेर की क्षमता रखता है। यदि दलित और अति-पिछड़े मतदाताओं को लगा कि सपा-कांग्रेस गठबंधन में उनकी उचित हिस्सेदारी नहीं है, तो वे भाजपा या पुनः बसपा की ओर रुख कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, असुबुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम जैसे दल भी मुस्लिम बहुल सीटों पर सपा के समीकरण को बिगड़ने की ताक में रहते हैं। हालांकि अखिलेश यादव ने एआईएमआईएम के साथ किसी भी गठबंधन से साफ इनकार कर दिया है, लेकिन त्रिकोणीय या चतुर्कोणीय मुकाबलों में वोटों का मामूली बिखराव भी सीधे तौर पर भाजपा को लाभ पहुंचा सकता है।

गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी मूलतः एक क्षेत्रीय दल है जिसका संपूर्ण अस्तित्व उत्तर प्रदेश की सत्ता और राजनीति पर निर्भर है। दूसरी ओर, कांग्रेस एक राष्ट्रीय दल है जिसका मुख्य लक्ष्य २०२९ के आम चुनाव में केंद्र की सत्ता हासिल करना है। इन दोनों प्राथमिकताओं में एक बुनियादी विरोधाभास है। कांग्रेस चाहती है कि क्षेत्रीय दल उसे राष्ट्रीय स्तर पर नेता स्वीकार करें और राज्यों में उसे अधिक राजनीतिक स्पेस दें। लेकिन सपा जैसी मजबूत क्षेत्रीय पार्टीयें जानती हैं कि एक बार अगर उन्होंने कांग्रेस को अपने घर में पैर जमाने की खुली हृद दे दी, तो उनका अपना अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। बिहार में राजद, पश्चिम बंगाल में तुष्टमूल कांग्रेस और उत्तर

प्रदेश में समाजवादी पार्टी की चिंताएं एक जैसी हैं। अखिलेश यादव के सामने चुनौती यह है कि वे 'इंडिया' गठबंधन के वफादार साथी भी बने रहें ताकि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा-विरोधी धर्मनिरपेक्ष छवि बरकरार रहे, और साथ ही उत्तर प्रदेश के भीतर कांग्रेस को इस हद तक हावी न होने दें कि सपा का अपना आधार सिकुड़ जाए।

समाजवादी पार्टी के लिए इंडिया गठबंधन एक दोधारी तलवार की तरह है। यह भाजपा विरोधी मतों के धृवीकरण को रोकने और धर्मनिरपेक्ष ताकतों को एक मंच पर लाने का सबसे सशक्त माध्यम है लेकिन इसके भीतर पनप रही सीटों की महत्वाकांक्षा, सांगठनिक अंतर्विरोध और नेतृत्व का आंतरिक संघर्ष सपा की राह को बेहद कठिन बना रहा है। अखिलेश यादव ने यह स्पष्ट घोषणा की है कि रजो गठबंधन पहले था, वही गठबंधन आगे रहेगा और वे इंडिया गठबंधन को ही आगे बढ़ाएंगे। लेकिन इस संकल्प को हकीकत में बदलने के लिए केवल बयानों की नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर बड़े राजनीतिक लचीलेपन, व्यावहारिक सीट-बंटवारे और कार्यकर्ताओं के बीच आपसी समन्वय की आवश्यकता होगी। यदि समय रहते सीट शेयरिंग के विवाद और सांगठनिक मतभेदों को नहीं सुलझाया गया, तो २०२४ की ऐतिहासिक जीत का उत्साह २०२७ के आते-आते केवल एक सुनहरी याद बनकर रह जाएगा। उत्तर प्रदेश की राजनीतिक बिसात पर समाजवादी पार्टी के लिए असली परीक्षा अब शुरू हुई है।

सड़कों का विस्तार, विकास की नई राह



-रामनरेश प्रजापति

बेहतर संपर्क के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार अर्थव्यवस्था को गति देने की चुनौती

किसी क्षेत्र के विकास की पहली तस्वीर उसके आधारभूत ढांचे में दिखाई देती है। सड़कें केवल एक स्थान को दूसरे से जोड़ने का माध्यम नहीं, बल्कि बाजार, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और प्रशासनिक सेवाओं तक पहुंच की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। किसान की उपज मंडी पहुंचे, विद्यार्थी सुरक्षित विद्यालय जाए, मरीज समय पर अस्पताल पहुंचे और व्यापारिक गतिविधियों को गति मिले-इन सभी के लिए सुगम और सुरक्षित सड़क संपर्क जरूरी है। इसी दृष्टि से शाहगंज में सड़क नेटवर्क का विस्तार व्यापक विकास की आधारभूमि तैयार करने वाला कदम माना जा सकता है।

शाहगंज के विकास की लेकर विधायक रमेश सिंह की ओर से सामने रखे गए प्रयासों और योजनाओं में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, उद्योग और रोजगार

को प्रमुखता दी गई है। क्षेत्र की जरूरतों को शासन और संबंधित विभागों तक पहुंचाने तथा विकास परियोजनाओं के लिए प्रयास करना जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उपलब्ध सरकारी आंकड़ों, विधायक के बयानों और आम जनमानस की प्रतिक्रियाओं के आधार पर यह कहा जा सकता है कि विधानसभा क्षेत्र के विकास को लेकर उनके कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण पहल हुई हैं। विधायक और स्थानीय लोगों का मानना ​​है कि लंबे समय से अपेक्षित विकास कार्यों को गति मिली है और क्षेत्र को चौरफा विकास की दिशा में नई राह मिली है। हालांकि इन प्रयासों की वास्तविक सफलता का आकलन परियोजनाओं के पूर्ण क्रियान्वयन और उनके दीर्घकालिक प्रभावों के आधार पर ही किया जा सकेगा। शासन, प्रशासन, कार्यवाही संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों के समन्वय से समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी क्रियान्वयन ही इन प्रयासों को स्थायी परिणाम में बदल सकता है। मार्च 2026 में शाहगंज क्षेत्र की चार सड़क परियोजनाओं के चौड़ीकरण और निर्माण से संबंधित स्वीकृति सामने आई। इनमें पट्टीरेंद्रपुर-सरयामोहिउद्दीनपुर, बड़ौना वाया चिलबिली-सावानर-रूहीली, अरसिया-बेलवाई तथा जहरूदीनपुर-बूढ़पुर मार्ग शामिल हैं। उपलब्ध सरकारी विवरण के अनुसार इन परियोजनाओं की कुल लागत करीब 37.32 करोड़ रुपये है। यह निवेश ग्रामीण संपर्क को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। बेहतर मार्गों से यात्रा का समय और परिवहन लागत घट सकती है



-प्रियंका सौरभ

है तो दुकान के बाहर फुटपाथ और सड़क तक फैलाया गया सामान भी उसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। शोरूमों के बाहर लगे बड़े बोर्ड, अस्थायी ढांचे, सामान रखने के लिए घेरा गया स्थान और सड़क की सीमा तक फैला व्यापार भी शहर की सार्वजनिक जगह को प्रभावित करता है। सवाल यह नहीं कि किसके खिलाफ कार्रवाई हुई; सवाल यह है कि क्या हर अतिक्रमण के खिलाफ समान कार्रवाई हो रही है? गरीब की सड़कें प्रतिष्ठानों का कब्जा अक्सर व्यवस्था की आंखों के सामने भी सामान्य मान लिया जाता है। यदि ऐसा नहीं हो रहा है तो यह प्रशासन की निष्पक्षता के लिए गंभीर प्रश्न है। नगर निगम को बाजारवाा संघ में कर यह सार्वजनिक करना चाहिए कि निर्धारित सीमा से बाहर कौन-कौन से कब्जे हैं और उनके खिलाफ क्या



तथा बाजार, तहसील, रेलवे स्टेशन और अन्य सेवाओं तक पहुंच आसान हो सकती है।

सड़क की उपयोगिता उसकी लंबाई या चौड़ाई से आगे जाती है। निर्माण की गुणवत्ता, टिकाऊपन, जल निकासी, पुल-पुलियों की मजबूती, सड़क सुरक्षा और नियमित रखरखाव पर भी समान ध्यान देना होगा। जुलाई 2026 में क्षेत्र में करीब दो करोड़ रुपये की लागत से चल रहे इंटरलॉकिंग सड़क और नाला निर्माण कार्यों के स्थलीय निरीक्षण की जानकारी सामने आई। ऐसे निरीक्षण तभी सार्थक होंगे, जब निर्माण के बाद भी गुणवत्ता और जल निकासी व्यवस्था की निगरानी जारी रहे। बरसात में जलभराव से बचाव सड़क की उम्र और सुरक्षा दोनों के लिए जरूरी है। शाहगंज नगर की यातायात समस्या भी सड़क विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए बाईपास की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जाती रही है। वैकल्पिक मार्ग शहर के भीतर वाहनों का दबाव घटाने में मदद कर

सकता है, लेकिन इसके साथ प्रमुख चौराहों, आंतरिक सड़कों, पार्किंग, जल निकासी और सड़क सुरक्षा की समग्र योजना भी बनानी होगी। स्थायी यातायात व्यवस्था पूरे सड़क नेटवर्क की बेहतर योजना से ही संभव होगी। सड़क संपर्क मजबूत होने का लाभ स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में भी दिखाई देना चाहिए। क्षेत्र में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में

50 बेड की सुविधा तथा 100 बेड के मस्टी स्पेशलिटी अस्पताल से संबंधित योजनाओं का उल्लेख किया गया है। ऐसी सुविधाएं प्रभावी रूप से विकसित होती हैं तो गंभीर उपचार के लिए लोगों की दूर के शहरों पर निर्भरता कम हो सकती है। लेकिन स्वास्थ्य व्यवस्था की गुणवत्ता भवन या बेड की संख्या से नहीं, बल्कि चिकित्सकों, विशेषज्ञों, नर्सिंग स्टाफ, दवाओं, जांच और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता से तय होगी। शिक्षा के क्षेत्र में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों तथा खानपुर और कोड्डा में कंपोजिट विद्यालयों के निर्माण से संबंधित योजनाएं ग्रामीण बच्चों के लिए बेहतर अवसर तैयार कर सकती हैं। विद्यालय तक सुरक्षित और सुगम पहुंच इसका पहला आधार है। साथ ही पर्याप्त शिक्षक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल और डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता भी जरूरी है। भवन आधार तैयार करता है, लेकिन शिक्षा की सफलता बच्चों के सीखने और आगे बढ़ने की क्षमता में

दिखाई देनी चाहिए। आर्थिक विकास के लिए विश्वसनीय बिजली आपूर्ति और उद्योग का विस्तार भी सड़क संपर्क के साथ जुड़ा है। सुदृढाकला में विद्युत व्यवस्था से संबंधित परियोजनाएं ऊर्जा जरूरतों को मजबूत कर सकती हैं। गैरवाह क्षेत्र में औद्योगिक विकास तथा बंद पड़ी चीनी मिल को पुनः संचालित कराने से जुड़े प्रयास रोजगार की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। ऐसी योजनाएं आगे बढ़ती हैं तो स्थानीय व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं। इसके लिए निवेश, बिजली, कौशल विकास, तकनीकी प्रशिक्षण, परिवहन और बाजार की उपलब्धता को साथ लेकर चलना होगा।

कृषि प्रधान शाहगंज में सड़क सुधार का लाभ खेत से बाजार तक पहुंचाना चाहिए। बेहतर मार्ग किसानों की मंडियों, खरीद केंद्रों और प्रसंस्करण इकाइयों तक पहुंच आसान कर सकते हैं। भंडारण, सिंचाई, कृषि प्रसंस्करण और स्थानीय बाजारों को मजबूत करने से कृषि उत्पादों का मूल्यवर्धन संभव है। कृषि आधारित छोटे उद्यम ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते भी खोल सकते हैं। कानून-व्यवस्था और नागरिक सुविधाएं भी विकास के वातावरण को प्रभावित करती हैं। सुरक्षित आवागमन, व्यवस्थित बाजार और प्रशासनिक सेवाओं तक आसान पहुंच से लोगों का भरोसा बढ़ता है। इसी तरह सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचना चाहिए। महिलाओं, युवाओं, किसानों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए योजनाओं की निगरानी तथा परिणामों का मूल्यांकन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बना सकता है।

कार्रवाई करने वाले अधिकारी से भी कानून और मर्यादा का पालन अपेक्षित है। सवाल यह भी है कि क्या अतिक्रमण हटाने के अभियान की शुरूआत केवल छोटी रेहड़ियों से होनी चाहिए? यदि शहर को वास्तव में व्यवस्थित करना है तो नगर निगम को एक व्यापक और पारदर्शी अभियान चलाना चाहिए। फुटपाथों पर बने स्थायी-अस्थायी कब्जे, दुकानों के बाहर फैला सामान, सड़क तक निकले बोर्ड, अस्थायी निर्माण और अन्य व्यावसायिक अतिक्रमण-सबकी एक समान जांच हो। कार्रवाई को जानकारी सामाजिक की जाए ताकि नागरिकों की भी पता चले कि नियम केवल कमजोर पर लागू नहीं होते।

शहर की सुंदरता का अर्थ केवल चमकते शोरूम नहीं है। जिस फुटपाथ पर किसी बड़े ब्रांड का सामान फैलाता है, वह भी जनता का है और जिस फुटपाथ को कोई गरीब महिला छोटी-सी रेहड़ी लगाती है, वह भी जनता का है। सार्वजनिक स्थान पर अधिकार का निर्धारण आर्थिक हैसियत से नहीं, कानून से होना चाहिए। नगर निगम चाहे तो इस पूरे विवाद को एक अक्सर में बदल सकता है। शहर के सभी बाजारों का डिजिटल सर्वे करवाया जाए। प्रत्येक दुकान और शोरूम की स्वीकृत सीमा स्पष्ट की जाए। रेहड़ी-पट्टी वालों के लिए निर्धारित वेंडिंग जोन बनाए

जाएं। पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ खाली रखे जाएं। निगमों का उल्लंघन करने वालों को पहले स्पष्ट सूचना दी जाए और फिर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई हो। महिलाओं और कमजोर वर्गों के मामलों में मानवीय व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। अतिक्रमण हटाना जरूरी है, लेकिन अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया स्वयं अन्याय का कारण नहीं बननी चाहिए। शहर में व्यवस्था चाहिए, मगर ऐसी व्यवस्था नहीं जिसमें गरीब की रोजी सड़क पर बिखरी दिखाई दे और बड़े कब्जे नजद-अजद होते रहें। हिसार प्रशासन और नगर निगम को यह संदेश स्पष्ट रूप से देना चाहिए कि कानून की नजर में रेहड़ी और शोरूम अलग-अलग प्राधिकार नहीं हैं। नियम अलग-अलग नहीं हो सकते। यदि किसी गरीब महिला से गलती हुई है तो उसे कानून के अनुसार समझाया और दंडित किया जा सकता है; लेकिन उसका अपमान नहीं किया जा सकता। और यदि किसी बड़े प्रतिष्ठान ने सार्वजनिक स्थान पर कब्जा किया है तो उसके खिलाफ भी वही दृढ़ता दिखाई जानी चाहिए। शहर को अतिक्रमण मुक्त करना है तो पहले कार्रवाई का पैमाना समान कीजिए। सड़क खाली कराइए, लेकिन किसी गरीब की गरिमा मत कुचलिए।



पालघर जिला परिषद में मनाई गई महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री की जयंती



पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर जिला परिषद कार्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उनके चित्रों पर पुष्पहार अर्पित कर श्रद्धापूर्वक अभिवादन किया गया। इस अवसर पर सामान्य प्रशासन विभाग के कर्मचारी हंसराज भामरे, सतीश साबले और राहुल वडे उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और शांति के मार्ग पर चलते हुए देश के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने स्वदेशी, स्वावलंबन और स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। सत्य और अहिंसा के विचारों के माध्यम से उन्होंने समाज को मानवता, समानता और सद्भाव का मार्ग दिखाया। वहीं देश के दूसरे प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री ने अपने सादगीपूर्ण जीवन, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा से देशवासियों के सामने आदर्श प्रस्तुत किया। ह्रजय जवान, जय किसानहू का संदेश देकर उन्होंने देश की सुरक्षा में जवानों तथा राष्ट्र की प्रगति में किसानों के योगदान के महत्व को रेखांकित किया। इस अवसर पर उपस्थित कर्मचारियों ने दोनों महान विभूतियों के विचारों को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन और कार्य में अपनाने का संकल्प लिया।

ॐ साई मित्र मंडल के पंडाल का विधिवत भूमिपूजन, 27 वर्षों से हो रहा आयोजन



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। गणेशोत्सव के बाद अब शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नवरात्रोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में भिवंडी के शेलार गांव में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले सार्वजनिक नवरात्रोत्सव के लिए ॐ साई मित्र मंडल की ओर से भव्य पंडाल का विधिवत भूमिपूजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना कर नारियल फोड़ने के साथ पंडाल निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर ॐ साई मित्र मंडल के संस्थापक अध्यक्ष संजय दुबे, अध्यक्ष विनोद मोर्या, कोषाध्यक्ष मिथलेश ठाकुर एवं महासचिव विजय मिश्रा सहित मंडल के पदाधिकारी उपस्थित रहे। शेलार गांव के पूर्व सरपंच घनश्याम भोईर, पूर्व ग्रामपंचायत सदस्य दशरथ भोईर, हरिश्चंद्र वारघडे, शैलेश भोईर, रूपेश आर.टी. भोईर, एडवोकेट शुभम भोईर, विकास भोईर, हरिश्चंद्र भोईर उर्फ बारटा, आरती संदीप भोईर, योगेश भोईर एवं सचिन भोईर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा भिवंडी शहर जिलाध्यक्ष मंगेश यादव के साथ सुबाश पासवान, मायामार शर्मा, शिवपूजन पांडेय, संतोष पाण्डेय, प्रमोद गुप्ता, अशोक मिश्रा, कैलाश मिश्रा, रामजनम शर्मा, राजकुमार शर्मा एवं टी.पी. सिंह सहित अनेक भक्तों ने भी उपस्थित होकर आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान पूर्व सरपंच घनश्याम भोईर, दशरथ भोईर एवं एडवोकेट शुभम भोईर ने कहा कि ॐ साई मित्र मंडल पिछले 27 वर्षों से नवरात्रि जागरण उत्सव आयोजित कर रहा है। आयोजन के माध्यम से सनातन संस्कृति एवं संस्कारों का प्रचार-प्रसार होता है। सुप्रसिद्ध गायकों द्वारा प्रस्तुत माता के भजनों से पूरे गांव का वातावरण भक्तिमय हो जाता है। कोलकाता के कलाकारों द्वारा तैयार की जाने वाली मां की आकर्षक प्रतिमा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहती है और बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं। भूमिपूजन के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। उपस्थित लोगों ने मां जगदंबा से क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

गांधी-शास्त्री जयंती पर विद्यार्थियों ने स्वच्छता का संदेश के साथ निकाली जागरूकता रैली



भिवंडी। महात्मा गांधी एवं भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर आशीर्वाद हिंदी विद्यालय एवं डॉ. डी.एस. पालीवाल इंग्लिश हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में फातिमानगर, नागव स्थित आशीर्वाद एजुकेशनल कैम्पस में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने स्वच्छता, राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और राष्ट्रसेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन से हुआ। श्री भैरव सेवा समिति के सचिव अनिल जैन, असम कांग्रेस के सहप्रभारी इकबाल सिद्दीकी, विद्यालय के चेयरमैन बी.के. सिंह तथा ॐ साई मित्र मंडल के अध्यक्ष नरेंद्र (टिकू) सिंह सहित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित किया। अनिल जैन ने गांधी एवं शास्त्री की प्रतिमाओं पर पुष्पहार अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा ध्वजारोहण किया। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत के साथ गांधी और शास्त्री के जीवन एवं विचारों पर भाषण प्रस्तुत किए। दो विद्यार्थियों ने गांधी और शास्त्री की वेशभूषा धारण कर उनकी भूमिका प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि इकबाल सिद्दीकी एवं समारोह अध्यक्ष अनिल जैन ने विद्यार्थियों से सत्य, अहिंसा, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यालय एवं फलक फाउंडेशन की ओर से आयोजित चित्रकला प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को ट्रॉफी, प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नियाज अहमद खान, सुल्तान कुेरशी, जम्बार शेख सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। संचालन सिद्धाराम चौगुले ने किया, जबकि आभार दीपक सिंह ने माना। कार्यक्रम के बाद विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने नागव, रामनगर और गायत्री नगर क्षेत्र में जागरूकता रैली निकाली। रैली के माध्यम से स्वच्छता, राष्ट्रप्रेम एवं सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की सफलता में विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारियों ने सहयोग किया।

पेल्हार पुलिस की बड़ी कार्रवाई: महिला के गले से सोने की चेन झपटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

कुर्ला और गोवंडी में जाल बिछाकर दबोचा, चोरी की सोने की चेन और वारदात में इस्तेमाल दोपहिया वाहन बरामद

की शिकायत के आधार पर पेल्हार पुलिस स्टेशन में जी.आर. क्रमांक 754/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बिछाया जाल मामले की गंभीरता को देखते हुए पेल्हार पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सचिन कांबले के मार्गदर्शन में अपराध निवारण टीम को आरोपियों की तलाश और गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। पुलिस टीम ने घटनास्थल की जांच करने के साथ तकनीकी एवं गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की।

जांच के दौरान आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम ने मुंबई के कुर्ला और गोवंडी क्षेत्र में जाल बिछाकर दोनों संदिग्धों को हिरासत में लिया।



पूछताछ एवं जांच के दौरान पुलिस ने उन्हें इस मामले से संबंधित आरोपी के रूप में गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इस प्रकार हुई है— पहिला मोहम्मद मोहसिन लाइक अंसारी (24) — पेशा: मैकेनिक, निवासी कुर्ला पश्चिम, मुंबई। दुसरा जरवाब अहमद हुसैन शेख उर्फ कालोस (21) —

निवासी शिवाजी नगर, मुंबई पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से शिकायतकर्ता की कथित रूप से छिनी गई सोने की चेन और वारदात में इस्तेमाल दोपहिया वाहन बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ 31 मामलों का रिकॉर्ड पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी नंबर-1 मोहम्मद मोहसिन लायक अंसारी के पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड की जांच में मुंबई, ठाणे तथा मीरा-भायंदर पुलिस आयुक्तालय के विभिन्न पुलिस थानों में चेन स्नैचिंग और मोबाइल चोरी से संबंधित कुल 31 मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ अन्य मामलों में पेल्हार पुलिस स्टेशन का जी.आर. क्रमांक 754/2026, संबंधित धाराओं के

तहत दर्ज मामला, तथा अन्य पुलिस थानों में दर्ज प्रकरण भी शामिल हैं। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की जानकारी पुलिस ने दी है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय शिन्ने, पुलिस उपायुक्त जोन-3 विरार शशिकांत बोराटे, सहायक पुलिस आयुक्त विरार विभाग तानाजी बर्डे के मार्गदर्शन में की गई। अभियान में पेल्हार पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सचिन कांबले पुलिस निरीक्षक (अपराध) सागर इंगोले तथा अपराध निवारण टीम और पेल्हार पुलिस स्टेशन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सूखे के नाम पर अनधिकृत चंदा वसूली का आरोप, प्रताप सरनाईक ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग

♦जनता से अपील—बिना अनुमति चंदा देने से बचें, सरकारी तंत्र के माध्यम से ही किसानों की सहायता करें

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में सूखे जैसी स्थिति के बीच किसानों की सहायता के नाम पर कथित रूप से अनधिकृत तरीके से चंदा एकत्र किए जाने को लेकर राज्य सरकार सार्वजनिक स्थानों पर बिना अधिकृत अनुमति चंदा एकत्र करने वाले व्यक्तियों या संगठनों को अपनी मेहनत की कमाई न दें। उन्होंने कहा कि सहायता देने से पहले संबंधित व्यक्ति या संस्था के पास जिला प्रशासन की वैध अनुमति तथा अधिकृत रसीद है या नहीं, इसकी पुष्टि की जानी चाहिए। सरकारी माध्यम से सहायता देने की

सूखे के कारण किसानों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है और राज्य सरकार पंचनामा, मुआवजा तथा पानी की उपलब्धता से संबंधित सहायता प्रदान कर रही है। उनके अनुसार, इसी परिस्थिति का फायदा उठाकर कुछ लोग या संगठन सूखा प्रभावित किसानों के नाम पर कथित रूप से बिना अनुमति चंदा एकत्र कर रहे हैं। सरनाईक ने जनता से अपील की है कि सड़कों अथवा सार्वजनिक स्थानों पर बिना अधिकृत अनुमति चंदा एकत्र करने वाले व्यक्तियों या संगठनों को अपनी मेहनत की कमाई न दें। उन्होंने कहा कि सहायता देने से पहले संबंधित व्यक्ति या संस्था के पास जिला प्रशासन की वैध अनुमति तथा अधिकृत रसीद है या नहीं, इसकी पुष्टि की जानी चाहिए। सरकारी माध्यम से सहायता देने की



अपील पत्र में किसानों की सहायता के लिए आधिकारिक सरकारी माध्यमों का उपयोग करने की अपील की गई है। सरनाईक ने महाराष्ट्र सरकार के मुख्यमंत्री सहायता कोष अथवा अन्य अधिकृत सरकारी तंत्र के माध्यम से सहायता उपलब्ध कराने की बात कही है। पत्र में जानकारी के लिए टोल-फ्री नंबर 1800 123 2211 का भी उल्लेख किया गया है। कलेक्टर और पुलिस आयुक्त से जांच की मांग

सरनाईक ने ठाणे जिलाधिकारी तथा मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस क्षेत्र में सूखे के नाम पर चंदा एकत्र करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के अनुमति-पत्रों की तत्काल जांच की जाए। साथ ही, बिना अनुमति चल रही चंदा वसूली को रोकने तथा एकत्रित धन के स्रोत और उपयोग की जांच करने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति जनता की भावनाओं का कथित रूप से दुरुपयोग कर वित्तीय धोखाधड़ी करता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। यह पत्र ठाणे कलेक्टर कार्यालय को भेजा गया है तथा इसकी प्रतिलिपि मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के पुलिस आयुक्त को भी दी गई है।

लिटिल एंजेल्स इंग्लिश स्कूल का वार्षिक समारोह सम्पन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मालाड पूर्व स्थित लिटिल एंजेल्स इंग्लिश स्कूल एवं लिटिल एंजेल्स अकादमी का वार्षिक समारोह गोरगांव पूर्व के नंदादीप विद्यालय मराठी स्कूल, जयप्रकाश नगर, कलाघर में उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। समारोह में ज्वेल मेकर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. संजय जिवनलाल शाह और जैन अल्पसंख्यक सेवा संस्थान की उपाध्यक्ष डॉ. अल्पा संजय शाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने दोनों अतिथियों का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत, नाट्य और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उनकी मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों, शिक्षकों और अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय जीवन्लाल शाह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास, परिश्रम और मानवीय मूल्यों का होना भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने, निरंतर मेहनत करने तथा माता-पिता



और गुरुजनों के मार्गदर्शन को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। डॉ. शाह ने विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराने और उनके सर्वांगीण विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। डॉ. अल्पा संजय शाह ने विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय जीवन्लाल शाह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास, परिश्रम और मानवीय मूल्यों का होना भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने, निरंतर मेहनत करने तथा माता-पिता

आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। वार्षिक समारोह में विद्यार्थियों की वर्षभर की शैक्षणिक, सांस्कृतिक और रचनात्मक उपलब्धियों को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रस्तुतियों और गतिविधियों ने समारोह को जीवंत एवं यादगार बना दिया। इस अवसर पर विद्यालय की ट्रस्टी सुश्री धृति ग्रोवर सहित शिक्षकगण, अभिभावक, सदस्य और विद्यालय परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने दोनों मुख्य अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणादायी उपस्थिति से विद्यार्थियों का उत्साह और मनोबल काफी बढ़ा। लिटिल एंजेल्स इंग्लिश स्कूल एवं लिटिल एंजेल्स अकादमी का यह वार्षिक समारोह विद्यार्थियों की प्रतिभा, उपलब्धियों, संस्कारों और आत्मविश्वास का उत्सव बनकर संपन्न हुआ।

रास रंग डाडिया-2026 का पोस्टर लांच

♦युवा फाउंडेशन का उमंग भरा गरबा

♦तुषार संखे अध्यक्ष तथा मुकेश पाटील कार्याध्यक्ष घोषित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। युवा फाउंडेशन, बोईसर की ओर से आयोजित होने वाले रास रंग डाडिया-2026 का पोस्टर लांच गुरुवार 1 अक्टूबर को चित्रालय स्थित न्यू सरोवर होटल के सभागृह में किया गया। इस अवसर पर आयोजकों ने बोईसर शहर के देवी भक्तों एवं गरबा प्रेमियों के लिए निःशुल्क गरबा उत्सव आयोजित करने की घोषणा की। पोस्टर लांच के अवसर पर आयोजित पत्रकार वार्ता में आयोजन प्रमुख एवं शिवसेना शिदि गुट के जिला युवा अध्यक्ष सौरभ अप्पा ने बताया कि बोईसर शहर के गरबा प्रेमियों को नवरात्रि के दौरान उत्साह, उमंग और मनोरंजन से भरपूर आयोजन का अनुभव देने के उद्देश्य से रास रंग डाडिया-2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। आयोजन के दौरान मराठी कलाकारों की विशेष प्रस्तुतियों के साथ आधुनिक संगीत एवं आकर्षक सजावट की व्यवस्था की जायेगी। नौ दिवसीय इस गरबा उत्सव में प्रतिदिन उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली जोड़ियों को विशेष उपहार भी प्रदान किया जायेगा। महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए चेंजिंग रूम, एंजुलेंस तथा प्राथमिक उपचार जैसी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था भी की जायेगी। आयोजकों के अनुसार इस



आयोजन की एक महत्वपूर्ण विशेषता सामाजिक सेवा से जुड़ी है। सहयोगियों से प्राप्त धनराशि में से आयोजन का खर्च निकालने के बाद बची राशि जिले में आगदा से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए प्रदान की जायेगी। इस पोस्टर लांच कार्यक्रम के दौरान गरबा उत्सव समिति के पदाधिकारियों की घोषणा भी की गई। सर्वसम्मति से तुषार बा. संखे को अध्यक्ष तथा मुकेश प्र. पाटील को कार्याध्यक्ष घोषित किया गया। नामों की घोषणा होते ही उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि से उनका स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भरत राजपूत, शिवसेना जिलाध्यक्ष वसंत चव्हाण, राकांपा प्रदेश महासचिव संतोष मराटे, भाजपा के प्रशांत आ. संखे, महेंद्र भोगे, अंकुर राऊत, शिवसेना की वैदेही वाढाण, सुशील चुरी तथा विश्व हिंदू परिषद के उत्तर मुंबई सह सचिव चंदन सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। आयोजकों ने शहरवासियों से बड़ी संख्या में सहभागी होकर नवरात्रि के इस उत्सव को सफल बनाने की अपील की।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरोध में मुलुंड में कांग्रेस की ओर से धरना प्रदर्शन किया गया



मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुलुंड स्टेशन के समीप उत्तर पूर्व मुंबई जिला कांग्रेस कमिटी की तरफ से जिला अध्यक्ष केतन शाह के नेतृत्व में गत दिनों मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरोध में धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इस धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से ज्ञानेश कुमार द्वारा वोट चोरी और चुनाव प्रक्रिया को मनमाने तरीके से हँडल करने के खिलाफ उनके इस्तीफे की मांग की गई और उनके खिलाफ

कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। इस धरना प्रदर्शन में उत्तर पूर्व मुंबई जिला कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रणिल नायर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद थे। खास बात यह है कि स्टेशन परिसर से गुजर रहे जैन जी को यह कार्यक्रम पसंद आया और उन्होंने भी इसमें हिस्सा लिया। यह निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। अंत में मुलुंड तहसीलदार कार्यालय जाकर तहसीलदार को ज्ञापन देकर धरना प्रदर्शन खत्म किया गया।

श्री राम मंदिर में कन्नड़-तुलू भाषा में अनुभव संकीर्तन आयोजित, 100 से अधिक श्रद्धालुओं ने लिया भक्तिमय कार्यक्रम का लाभ

पालघर(उत्तरशक्ति)। सदरु श्री अनिरुद्ध बोईसर उपासना केन्द्र की ओर से शुक्रवार 2 अक्टूबर को बोईसर शहर अंतर्गत स्थित श्री राम मंदिर में कन्नड़ एवं तुलू भाषा में विशेष अनुभव संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भक्तिमय एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में बोईसर सहित आसपास के क्षेत्रों से 100 से अधिक श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।



संकीर्तन में शामिल श्रद्धालु भक्ति रस में भावविभोर नजर आये। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सदरु श्री अनिरुद्ध उपासना के श्री गुरु सप्तसंघ सेवक संदीप सिंह राऊत, दिगंबर सिंह पाटील, देवेन्द्र सिंह साने, किशोर सिंह लाडे व प्रीती वीरा इनके मार्गदर्शन एवं सहयोग से उपासना केन्द्र के कार्यकर्ताओं ने भी सेवाभाव के साथ अपनी

जिम्मेदारियां निभाईं। सभी सेवकों एवं कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयासों से कार्यक्रम शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के आध्यात्मिक एवं भक्तिमय आयोजनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति, सेवा और सद्वृत्त के प्रति श्रद्धा से जुड़ने का अवसर मिलता है।

उत्तर यादव युवा संघ के आजमगढ़ जिलाध्यक्ष का भिवंडी में किया गया भव्य स्वागत

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। उत्तर यादव युवा संघ के आजमगढ़ जिलाध्यक्ष कैलाशनाथ यादव के भिवंडी आगमन पर नेहरू नगर स्थित वमां सांस्कृतिक हॉल में समाज के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की ओर से भव्य स्वागत एवं सत्कार समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनका पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया और सामाजिक एकता एवं संगठन को मजबूत बनाने पर चर्चा की। कार्यक्रम में उत्तर यादव युवा संघ के भिवंडी जिलाध्यक्ष रामदेव जोखू यादव तथा कैलाशनाथ यादव का स्वागत किया। संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं भूखंड



समिति अध्यक्ष कैलाश चंद्रधारी यादव की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में समाज के विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर समाज में आपसी भाईचारा, युवाओं की भागीदारी तथा संगठन को गांव-गांव और शहर-शहर मजबूत बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक संगठन की मजबूती के लिए युवाओं को सक्रिय भूमिका

निभानी चाहिए तथा शिक्षा, रोजगार और सामाजिक विकास से जुड़े विषयों पर मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। समारोह में ज्ञानचंद यादव, रामनिवास यादव, विनोद यादव, गोलही यादव, अरविंद यादव, वासुदेव यादव, रामदुलारे यादव सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अतिथि कैलाशनाथ यादव ने भिवंडी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। यदि चाहें तो इसे मैं दैनिक उत्तरशक्ति के 250-300 शब्दों के और अधिक कसे हुए प्रिंट-लेआउट में भी तैयार कर सकता हूँ।

महाराष्ट्र खादी भंडार में मनाई गई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती



ग्रामोद्योग को भी प्रोत्साहन मिलता है। बदलते दौर में खादी के आधुनिक डिजाइनों और आकर्षक परिधानों के प्रति लोगों की रुचि भी बढ़ रही है। महाराष्ट्र खादी भंडार के प्रमुख बी.के. सिंह ने गांधी जयंती एवं त्योहारी सीजन के अवसर पर स्वदेशी वस्त्रों की विभिन्न वैरायटी, गुणवत्तापूर्ण कपड़ों एवं रेडिमेड वस्त्रों पर एक

पालघर(उत्तरशक्ति)। सत्य, अहिंसा, स्वदेशी और स्वच्छता का संदेश देने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती शुरुवार 2 अक्टूबर को बोईसर पश्चिम स्थित ओस्तवाल एम्पायर, गणेश मंदिर के सामने महाराष्ट्र खादी भंडार में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने महात्मा गांधी के विचारों को स्मरण करते हुए सेवा, स्वच्छता और स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा देने का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि खादी केवल वस्त्र नहीं, बल्कि स्वावलंबन और देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ी एक महत्वपूर्ण परंपरा है। खादी के उपयोग से इससे जुड़े बुनकरों एवं

उत्तरशक्ति

* संपादक: ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादक: प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादक: डा. शेषधर बिन्दु
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्ल्यू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जबल ऑटोफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुमार प्रजापति, प्रकाशक, मूद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तम मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, ओर रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जबल, गेट क्रमांक 2, गोरगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुद्रित एवं के-4, रुम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हॉ. सांसडटी, एमएमआरडी कॉलोनी कंजूरगांव (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्ल्यू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जबल, ऑटोफ हिल, वडाला मुंबई-37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

अहरौला में दिनदहाड़े युवक को मारी गोली, बाइक सवार बदमाश फरार

थाने से महज 500 मीटर दूर वारदात, हाथ और पैर में लगी गोली

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। अहरौला थाना क्षेत्र में शनिवार को दिनदहाड़े बाइक सवार दो बदमाशों ने 18 वर्षीय युवक को गोली मारकर घायल कर दिया। वारदात थाने से करीब 500 मीटर दूर पकड़ी गांव के पास असिलाई रोड पर हुई। गोली लगने के बाद घायल युवक को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अहरौला में भर्ती कराया गया।

पकड़ी गांव निवासी आर्यन यादव (18) पुत्र मनोज यादव शनिवार को असिलाई रोड से गुजर रहा था। इसी दौरान अपाचे बाइक सवार दो बदमाशों ने उसे निशाना बनाकर गोली चला दी। गोली की एक गोली आर्यन के बाएं हाथ के पंजे में, जबकि दूसरी बाएं पैर में लगी। गोली लगते ही वह सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर

रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद बदमाश असलहा लहराते हुए असिलाई की ओर फरार हो गए। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अहरौला पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाते हुए जांच शुरू कर दी। पुलिस बदमाशों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए आसपास के क्षेत्रों में छानबीन कर रही है। दिनदहाड़े हुई गोलीबारी की घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस घटना के कारणों और वारदात में शामिल आरोपियों के बारे में जानकारी जुटा रही है।



दुकान में चोरी के प्रयास का वांछित आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज थाना पुलिस ने दुकान में चोरी के प्रयास के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त नौशाद पुत्र शहजाद उर्फ सज्जाद, निवासी मिल्लत नगर, थाना शाहगंज, जौनपुर है।

पुलिस के मुताबिक 29/30 सितंबर की रात करीब एक बजे नौशाद अपने साथी अयाज और तीन अज्ञात व्यक्तियों के साथ पिकअप वाहन संख्या UP50 DT4851 से एक दुकान में चोरी की नीयत से घुसा। आरोप है कि दुकान की डुप्लीकेट चाबी से शटर खोला गया और मुख्य गेट का ताला भी खोला

गया। इसके बाद दुकान में लगे



सीसीटीवी का केबल काट दिया गया तथा चोरी के उद्देश्य से 10 बंडल

सरिया पिकअप में लाद लिए गए। दुकान पर मौजूद लोगों के ललकारने पर आरोपितों ने कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और सरिया मौके पर छोड़कर फरार हो गए। मामले में अब्जफर पुत्र एजाज अहमद, निवासी मोहल्ला इराकियाता, शाहगंज की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि वांछित आरोपी नौशाद को 03 अक्टूबर 2026 को सुबह 10:38 बजे उसके घर से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने आरोप से इनकार करते हुए अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में पक्ष रखने की बात कही।

गांधी-शास्त्री जयंती पर कांग्रेस का मौन सत्याग्रह, 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पूर्व सांसद मंसुरिया दीन पासी की

रास्ता ही विश्व में शांति एवं प्रगति का आधार है। गांधी जी के बताए मार्ग पर चलकर देश के लोकतंत्र, संविधान और विश्व बंधुत्व की भावना को



जयंती पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पीपल्सवुडी चौराहे पर स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने काला मास्क लगाकर कथित 'वोट चोरी' के विरोध में मौन सत्याग्रह किया। जौनपुर में कांग्रेस द्वारा इस मुद्दे पर पूर्व में भी विरोध प्रदर्शन किया जा चुका है।

जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि सत्य, अहिंसा और प्रेम का

मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री को अदम्य साहस का प्रतीक बताया।

शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने गांधी जी, शास्त्री जी एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मंसुरिया दीन पासी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद आयोजित मौन सत्याग्रह को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल

उठाए। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से बर्खास्त कर गिरफ्तार किए जाने की मांग की। कांग्रेस की ओर से लगाए गए इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि का दावा इस समाचार में नहीं किया जा रहा है। डॉ. सिंह ने कहा कि संविधान, लोकतंत्र और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता आंदोलन जारी रखेंगे। शहर कांग्रेस अध्यक्ष आरिफ खान ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा ने किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष लाल प्रकाश पात, राकेश सिंह डब्बू, अनिल सोनकर, आरती सिंह, नीलेश सिंह, फैयाज हाशमी, राजीव निषाद, सभासद शहनवाज मंजूर, कृष्णचंद निषाद, आजम जैदी, जम्बर अली सलमानी, संदीप निषाद, इरशाद खान राजू, आसिफ खान, नूरजहां, मुहम्मद ताहिर, तौफीक अहमद राजू, मनीष श्रीवास्तव, गौरव सिंह शनी, संतोष निषाद, इरसेखालद प्रधान, अजीम जौपुरी, परवेज खान सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मछलीशहर तहसील में लेखपालों का धरना-प्रदर्शन, आठ सूत्रीय मांगों को लेकर बुलंद की आवाज

सम्पूर्ण समाधान दिवस का बहिष्कार कर एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा झापन

अरशद अली मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ उपशाखा मछलीशहर के बैनर तले शनिवार को लेखपालों ने अपनी आठ सूत्रीय मांगों को लेकर तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन शुरू किया। आंदोलन के दौरान लेखपालों ने मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद करते हुए कहा कि मांगों के निस्तारण तक आंदोलन जारी रहेगा।

आंदोलन के प्रथम चरण में लेखपालों ने सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस का बहिष्कार किया। इसके बाद लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने अपनी मांगों से संबंधित झापन उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा।

लेखपाल संघ की प्रमुख मांगों में प्रारंभिक वेतनमान 2800 ग्रेड-



पे (लेवल-5) किए जाने तथा वेतन विसंगति दूर करने, अंतर-मंडलीय स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल खोलकर प्रक्रिया पूरी करने, पदोन्नति के लिए डीपीसी सूची शीघ्र जारी करने और स्टैनोग्राफी, मोटरसाइकिल एवं

अन्य विशेष भत्तों में वृद्धि किए जाने की मांग शामिल है। इसके अलावा नवनि्युक्त लेखपालों का परीक्षा परिणाम एवं प्रशिक्षण प्रमाण पत्र जारी कर स्थायीकरण करने, लेखपालों को पटल सहायक एवं प्रभारी राजस्व निरीक्षक के अतिरिक्त कार्यों से मुक्त करने, लेखपाल पद को तकनीकी पद घोषित कर उच्च स्तरीय लेपटॉप एवं मोबाइल उपलब्ध कराने तथा ग्राम सचिवालय/क्लस्टर व्यवस्था में आधारभूत सुविधाएं, सुरक्षा एवं भत्ते उपलब्ध कराने की मांग की गई। लेखपाल संघ ने बिना आवश्यक सुविधाओं के लागू क्लस्टर व्यवस्था को समाप्त करने की भी मांग उठाई।

बाल विवाह बेटियों के स्वास्थ्य, शिक्षा व सुरक्षित भविष्य को पहुंचाती है गहरी क्षति: संतोष जितेन्द्र कनोजिया, केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के राजपुर, ब्रह्माणपुर झमका, बेलहरी, छितौना, नदौली, बसगीत, अकबरपुर व सेनापुर ग्राम सभाओं में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर आस्था महिला एवं बाल विकास संस्था द्वारा बाल विवाह रोकें, बेटियों का भविष्य संवारें कार्यक्रम आयोजित हुई। यह कार्यक्रम जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के सहयोग से देशव्यापी रबाल विवाह मुक्त भारत पहल के अंतर्गत चलाया जा गया अभियान के दौरान ग्रामीणों से शपथ पत्र भरवाए गये जिसमें वे अपने समुदाय में बाल विवाह के विरुद्ध हर कदम उठाते, इसकी रिपोर्ट करने, बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने व बाल श्रम और बाल यौन शोषण सहित आदि शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने की प्रतिज्ञा दिलायी गई। इस बाबत संस्था के निदेशक संतोष पाण्डेय ने कहा कि प्रदेश के वाराणसी, प्रयागराज, भदोही, जौनपुर और मिर्जापुर जिलों के सभी ग्राम प्रधानों से जनहित में अपील किया जा रहा है कि वे अपनी-अपनी ग्राम सभाओं में बाल विवाह रोकने हेतु प्रस्ताव लेने का संकल्प लें क्योंकि बाल विवाह बच्चों, विशेषकर बेटियों के स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षित भविष्य को गहरी क्षति पहुंचाता है। इसे रोकना बाल एक संस्था या विभाग का नहीं, बल्कि पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा गांव की सबसे सशक्त लोकतांत्रिक इकाई है, और यदि प्रधान एवं ग्रामवासी मिलकर संकल्प लें तो हर गांव को बाल विवाह से मुक्त बनाया जा सकता है। इसी ही कहा कि प्रदेश को बाल विवाह मुक्त बनाना है और इसके लिए सभी ग्राम प्रधानों, पंचायत प्रतिनिधियों, शिक्षकों, अभिभावकों के साथ युवाओं का सहयोग आवश्यक है।

दिव्यांग छात्रा को कृपाशंकर सिंह ने दिया ई-ट्राइसाइकिल

पूर्व गृहराज्यमंत्री ने सेवा संकल्प अभियान के तहत सृष्टि सिंह को भेंट की इलेक्ट्रॉनिक ट्राइसाइकिल, चेहरे पर खिली खुशी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाज के जरूरतमंद और वंचित लोगों की मदद के लिए आगे आने वाले पूर्व लोकसभा प्रत्याशी जौनपुर एवं महाराष्ट्र सरकार के पूर्व गृहराज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने सेवा संकल्प अभियान के तहत तिलकधारी सिंह इंटर कॉलेज की हाईस्कूल टॉपर छात्रा सृष्टि सिंह को इलेक्ट्रॉनिक ट्राइसाइकिल भेंट की। दोनों पैरों से दिव्यांग सृष्टि हाथ से चलने वाली ट्राइसाइकिल के सहारे विद्यालय जाने में कठिनाई का सामना कर रही थी। इलेक्ट्रॉनिक ट्राइसाइकिल मिलने के बाद अब उसके लिए विद्यालय पहुंचना और आगे की पढ़ाई जारी रखना काफी आसान हो जाएगा।

यह सहायता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर के खरका स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष प्रदान की गई। जैसे ही सृष्टि को इलेक्ट्रॉनिक ट्राइसाइकिल सौंपी गई, उसके चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। श्री सिंह ने

बताया कि कुछ समय पूर्व एक चाय की दुकान पर बैठ चाय पी रहे थे इसी दौरान छात्रा को हाथ से ट्राइसाइकिल चलाकर विद्यालय जाते देखा। छात्रा को ट्राइसाइकिल चलाने में काफी परेशानी हो रही थी। यह देखकर साथ बैठे दिनेश तिवारी से छात्रा के

चाय की दुकान पर नजर पड़ी तो मदद का लिया संकल्प

बारे में जानकारी ली। दिनेश तिवारी ने बताया कि छात्रा सृष्टि सिंह पुत्री सुनील सिंह, उमरपुर वाजिदपुर की रहने वाली है और दोनों पैरों से दिव्यांग है। इसके बावजूद वह पढ़ाई के प्रति बेहद गंभीर है और तिलकधारी सिंह इंटर कॉलेज में अध्ययनरत है। बताया गया कि सृष्टि की माता भी कैसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, जिससे परिवार के सामने आर्थिक और सामाजिक चुनौतियां और बढ़ गई हैं। छात्रा की स्थिति और पढ़ाई के

प्रति उसके समर्पण की जानकारी मिलने के बाद कृपाशंकर सिंह ने तत्काल छात्रा की मदद करने का निर्णय लिया और उसे इलेक्ट्रॉनिक



ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने का वादा किया। इसी क्रम में सेवा संकल्प अभियान के तहत आज सृष्टि को ई-ट्राइसाइकिल प्रदान की और कहा कि जरूरतमंद और प्रतिभावान लोगों की मदद करने में उन्हें विशेष खुशी मिलती है। सृष्टि को अब विद्यालय आने-जाने में पहले जैसी परेशानी नहीं होगी और वह अपनी

पढ़ाई को आगे जारी रख सकेगी। छात्रा का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि वह किसी भी परिस्थिति को अपनी कमजोरी न बनने दे और मन

लगाकर पढ़ाई करे। उन्होंने सृष्टि को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि वह भविष्य में आईएम्स की परीक्षा पास करने का लक्ष्य रखे और पूरी मेहनत व लगन के साथ अपने सपने को पूरा करे। आगे उन्होंने कहा कि शारीरिक कठिनाइयां किसी व्यक्ति की प्रतिभा और उसके सपनों के रास्ते में बाधा नहीं बननी चाहिए।

यदि समाज के सक्षम लोग जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आए तो अनेक प्रतिभाओं की आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है। सृष्टि सिंह ने शारीरिक चुनौतियों के बावजूद अपनी पढ़ाई के प्रति जिस तरह लगन दिखाई है, वह अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है। वह तिलकधारी सिंह इंटर कॉलेज की हाईस्कूल टॉपर छात्रा है। विद्यालय आने-जाने के दौरान हाथ से चलने वाली ट्राइसाइकिल चलाने में उसे काफी कठिनाई होती थी। इलेक्ट्रॉनिक ट्राइसाइकिल मिलने से उसकी इस समस्या का समाधान होने की उम्मीद है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, पूर्व विधायक डॉ. हरेंद्र सिंह, भाजपा प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह, श्यामराज सिंह, संदीप सरोज, डॉ. विकास सिंह, महामंत्री पीयूष गुला, अजीत सिंह, दिनेश तिवारी, अर्चना, विनोद सिंह, रबाकर सिंह, श्रवण सिंह, संदीप, रोहित सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सत्य, अहिंसा और सादगी के अवतार : भारत के दो लाल

नारायण पब्लिक स्कूल में गांधी-शास्त्री जयंती पर भाषण, वाद-विवाद एवं परिचर्चा का आयोजन

डॉ. इम्रियाज अहमद सिकरारा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नारायण पब्लिक स्कूल, मंसाहापुर में

अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा जैसे मूल्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। भाषण एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता में

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। विद्यालय परिसर में भाषण, वाद-विवाद एवं परिचर्चा सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने दोनों महापुरुषों के जीवन, संघर्ष, विचारों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता को रेखांकित किया।

हूमहात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के विचारों की वर्तमान प्रासंगिकताह विषय पर आयोजित परिचर्चा में विद्यार्थियों ने सत्य, अहिंसा, सादगी, ईमानदारी,



विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

विद्यालय के प्रबंधक डॉ. नारायण सिंह एवं प्रधानाचार्य राज. सविता सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री का जीवन सादगी, सत्यनिष्ठा, त्याग और राष्ट्रसेवा की प्रेरणादायी मिसाल है। उन्होंने विद्यार्थियों से दोनों महापुरुषों के आदर्शों को अपने जीवन एवं आचरण में उतारने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन विवेक

राहुल जायसवाल, श्रुति सिंह, जितेंद्र, जूही सिंह एवं प्रीति पाठक का विशेष सहयोग रहा। परिचर्चा में संदीप, नीलम, नेहा सिंह, मीनू, प्रिया, मुस्कान एवं कशिश सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए।

अंत में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के आदर्शों को आत्मसात करते हुए सत्य, अहिंसा, ईमानदारी, अनुशासन एवं राष्ट्रहित के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने दीप प्रज्वलित कर किया 'नमो सेवागाथा' नाटक का शुभारंभ

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)।

भारतेंदु नाट्य अकादमी, संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा प्रायोजित एवं सर्वस्व लोक कल्याण स्वीच्छक संस्थान द्वारा प्रस्तुत नाटक 'नमो सेवागाथा' का भव्य मंचन जिला पंचायत सभागार, प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रंगमंच समाज का दर्पण है। 'नमो सेवागाथा' जैसी प्रस्तुतियां समाज में सेवा भावना एवं राष्ट्रभक्ति का संदेश देने का कार्य करती हैं। उन्होंने भारतेंदु नाट्य अकादमी एवं सर्वस्व लोक

कल्याण स्वेच्छिक संस्थान के संयुक्त प्रयास की सराहना की।



प्रख्यात नाट्य निर्देशक तेजेंद्र सिंह 'तेजु' के निर्देशन में मंचित नाटक ने दर्शकों को आकर्षित किया। नाटक के माध्यम से समाज सेवा, मानवीय मूल्यों एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न पहलुओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। कलाकारों के जीवंत अभिनय एवं प्रभावी संवादों पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं।

कार्यक्रम के अंत में संस्थान के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि एवं

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती पर जनपद में विविध कार्यक्रम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती जनपद में धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कलेक्ट्रेट सहित विभिन्न सरकारी कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों, नगर निकायों एवं ग्राम पंचायतों में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान रामधुन एवं विचार गोष्ठी का आयोजन कर दोनों महापुरुषों के जीवन, आदर्शों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि महात्मा गांधी का सत्य, अहिंसा, सादगी एवं समाज के अंतिम व्यक्ति के हित में कार्य करने का संदेश आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्रशासनिक कार्यों में जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री ने सादगी, ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा का आदर्श प्रस्तुत किया। इस अवसर पर खादी एवं

ग्रामोद्योग विभाग द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई। जिलाधिकारी ने चरखा चलाकर खादी एवं स्वदेशी वस्तुओं के प्रति लोगों को प्रेरित किया और खादी की खरीदारी भी की। जिलाधिकारी,



मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाडिया एवं मुख्य राजस्व अधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में पौधरोपण किया। इसके बाद खरका तिराहा स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। सैयद अलीपुर स्थित बूझाश्रम में जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने विद्यालय के बच्चों के साथ बुजुर्गों को फल वितरित किए तथा उनके स्वास्थ्य एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। जनपद के सभी राजकीय भवनों

पर प्रातः नौ बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। मलिन बस्तियों एवं सार्वजनिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर

एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गांधी एवं शास्त्री जयंती पर माल्यार्पण एवं विचार गोष्ठी आयोजित हुई। कार्यक्रम में मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, नगर मजिस्ट्रेट महिपाल सिंह, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अनीता सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ई। प्राइम
के चेयरमैन
मल्होत्रा का
खार लीकिंग
वत कार्यालय में
वास के साथ
गया। इस
पर खार
प्राइजिंग परिवार
टीम ने पुष्पगुच्छ
हैं जन्मदिन की
र खुशियाँ मनाई
करते हुए उनके
उपस्थित सभी
गुभकामनाएँ दीं।

